

पारावतघ्नी स्त्री. (तत्.) सरस्वती नदी।

पारावतपदी स्त्री. (तत्.) 1. मालकंगनी 2. काकजंघा।

पारावताश्व पुं. (तत्.) पारावत अश्व पर सवारी करने के कारण धृष्टद्युम्न का एक नाम।

पारावती स्त्री. (तत्.) 1. कबूतरी 2. वानरी, बंदरिया 3. अहीरों के एक प्रकार के गीत।

पारावार पुं. (तत्.) 1. नदी आदि के दोनों किनारे 2. समुद्र उदा. बिन माँगे तुमने दे डाला, करुणा का पारावार मुझे- महादेवी वर्मा।

पारावारीण वि. (तत्.) 1. जो दोनों किनारों पर जाता या पहुँचता हो 2. पारंगत।

पाराशर वि. (तत्.) ऋषि पराशर से संबंधित 2. ऋषि पराशर द्वारा रचित पुं. (तत्.) पराशर ऋषि के पुत्र वेद व्यास।

पाराशरि पुं. (तत्.) 1. शुक्रदेव 2. वेदव्यास।

पाराशरी पुं. (तत्.) 1. संन्यासी 2. वह संन्यासी जो वेदव्यास द्वारा रचित शारीरिक सूत्रों का अध्ययन करता हो।

पाराशर्य पुं. (तत्.) पराशर का पुत्र वेदव्यास।

पारिंद्र पुं. (तत्.) सिंह, शेर।

पारि स्त्री. (तद्.) 1. नदी, समुद्र आदि का किनारा 2. दिशा, ओर, तरफ 3. बाँध, मेंड़ 4. सीमा, मर्यादा।

पारिकांक्षी पुं. (तत्.) तपस्वी।

पारिक्षित पुं. (तत्.) राजा परीक्षित का पुत्र जनमेजय।

पारिखू वि. (तद्.) परखने वाला, पारखी उदा. जब रे मिलेगा पारिखू, तब हीरा की साटि-कबीर।

पारिजात पुं. (तत्.) 1. स्वर्ग के पाँच देववृक्षों में से एक, जो समुद्र-मंथन के समय निकला था, कहा जाता है कि इसे इंद्र नंदनवन में ले गए थे 2. हरसिंगार वृक्ष अथवा उसका फूल 3. कचनार 4. सुगंध।

पारिणामिक वि. (तत्.) 1. परिणाम संबंधी 2. जिसका कोई परिणाम अथवा रूपांतरण हो सके,

जो विकसित हो सके 3. जो पच सके या जिसे पचाया जा सके।

पारित वि. (तत्.) 1. जिसका पारण हुआ हो 2. विधिपूर्वक किसी संस्था द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव अथवा विधेयक।

पारितोषिक वि. (तत्.) प्रसन्न करने वाला पुं. (तत्.) पुरस्कार, इनाम।

पारिध्वजिक पुं. (तत्.) वह जो हाथ में ध्वज लेकर चलता हो।

पारिपाटिक वि. (तत्.) परिपाटी के अनुसार।

पारिपाटिक अनुकरण पुं. (तत्.) परिपाटी के अनुसार चलना सीखना, समकालीन लोगों की अभिवृत्तियों तथा व्यवहार का अनुकरण।

पारिपाट्य पुं. (तत्.) परिपाटी।

पारिपात्र पुं. (तत्.) सात प्रमुख पर्वत मालाओं में से एक।

पारिपार्श्व पुं. (तत्.) साथ-साथ चलने वाला, सेवक, अनुचर।

पारिपार्श्वक पुं. (तत्.) 1. सेवक 2. नाटक में सूत्रधार का सहायक।

पारिपार्श्विक पुं. (तत्.) दे. पारिपार्श्वक।

पारिप्लव वि. (तत्.) 1. अस्थिर रहने वाला 2. हिलने-डुलने अथवा लहराने वाला 3. तैरने वाला 4. क्षुब्ध, चंचल, उद्विग्न, पुं. (तत्.) 1. नौका, नाव, 2. अस्थिरता 3. उद्विग्नता, चंचलता, आकुलता।

पारिभद्र पुं. (तत्.) 1. फ़रहद का वृक्ष जो लगभग 12 मीटर तक ऊँचा होता है और जिसमें 3-3 पत्ते एक ही वृन्त में होते हैं, इस वृक्ष की शाखाएँ काँटेदार होती हैं 2. देवदारु वृक्ष 3. नीम का वृक्ष।

पारिभाव्य पुं. (तत्.) जमानत करने या जामिन होने का भाव।

पारिभाव्य धन पुं. (तत्.) वह धन जो किसी की कोई वस्तु व्यवहृत करने के बदले में उसे यहाँ